चारधाम यात्रा

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड पर्यटन विभाग के अनुसार, ['चारधाम यात्रा']() के लिये पर्यटन विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो गया है।

मुख्य बिंदु:

- उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में चार मंदिरों, **बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री** के दर्शन शामिल हैं।
- चारधाम यात्रा हिंदू धर्म में गहरा आध्यात्मिक महत्त्व रखती है। यह यात्रा सामान्यतः **अप्रैल/मई से अक्तूबर/नवंबर** तक होती है।

चारधाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी यमुना।
  - **गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।**
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा।
  - **सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।**
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
  - **समर्पित: भगवान शिव।**
  - **मंदाकिनी नदी** के तट पर स्थित है।
  - **भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।**
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - **पवित्र बद्रीनारायण मंदिर का स्थान।**

- समरपति: भगवान वषि्णु।
- वैष्णवों के पवत्रि तीर्थस्थलों में से एक।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/char-dham-yatra-2